सत्यमेव जयते

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम-2018

(दिनांक 1 सितंबर से 14 सितंबर 2018)

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल

अनुक्रमणिका

क्रमांक	कार्यक्रम विवरण	पृष्ठ क्रमांक
01	हिन्दी दिवस की प्रासंगिकता व संपादित कार्यालयीन कार्य	01
02	हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम 1-14 सितंबर 2018	06
03	यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता - 06.09.2018	07
04	हिन्दी' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता - 11.09.2018	08
05	'राजभाषा क्विज' प्रतियोगिता - 12.09.2018	08
06	'ओजोन संरक्षण' विषय पर हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता- 14.09.2018	09
07	हिन्दी टिप्पण व आलेखन' प्रतियोगिता	10
08	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक व पत्रिका विमोचन - 14.09.2018	10
09	सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह 14.09.2018	11
10	कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ	14
11	समापन कार्यक्रम	22
12	प्रतियोगिता परिणाम	23

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम 2018 : प्रतिवेदन

01. <u>हिन्दी दिवस की प्रासंगिकता व संपादित कार्यालयीन कार्य</u>

हिन्दी के ऐतिहासिक अवसर को स्मरण करने के लिये हर साल 14 सितंबर को पूरे देश में हिन्दी दिवस मनाया जाता है। इसे हिन्दी दिवस के रुप में मनाना शुरु हुआ था क्योंकि 14 सितंबर वर्ष 1949 में को संवैधानिक सभा के द्वारा आधिकारिक भाषा के रुप में देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी को स्वीकृत किया गया था।

भाषा वह साधन है जिसके माध्यम से प्रत्येक प्राणी अपने विचारों को दूसरों पर अभिव्यक्त करता है। यह ऐसी दैवी शक्ति है, जो मनुष्य को मानवता प्रदान करती है और उसका सम्मान तथा यश बढ़ाती है।

राज्य या प्रशासन की भाषा को राज्य भाषा कहते हैं। इसके माध्यम से ही सभी प्रशासनिक कार्य सम्पन्न किये जाते हैं। यूनेस्को के विशेषज्ञों के अनुसार 'उस भाषा को राज्य भाषा कहते हैं, जो सरकारी कामकाज के लिए स्वीकार की गई हो और जो शासन तथा जनता के बीच आपसी संपर्क के काम आती हो' जबसे प्रशासन की परंपरा प्रचलित हुई है, तभी से राजभाषा का प्रयोग भी किया जा रहा है।

राजभाषा पुरस्कार समारोह, मुंबई

प्राचीन काल में भारत में संस्कृत, प्राकृत, पाली, अपभ्रंश आदि भाषाओं का राजभाषा के रूप में प्रयोग होता था। राजपूत काल में तत्कालीन भाषा हिन्दी का प्रयोग राजकाज में किया जाता था। किंतु भारतवर्ष में मुगलों का आधिपत्य स्थापित हो जाने के बाद धीरे-धीरे हिन्दी का स्थान फ़ारसी और अरबी भाषाओं ने ले लिया। आज भी इन राजाओं के दरबारों से हिन्दी अथवा हिन्दी-फारसी, द्विभाषिक रूप में जारी किए गए फरमान बड़ी संख्या में उपलब्ध है। यह इस बात का द्योतक है कि हिन्दी राजकाज करने के लिए सदैव सक्षम रही है।

अंग्रेज़ी ने अपने शासन काल में तत्कालीन प्रचलित राजभाषा फारसी को ही प्रश्रय दिया। परिणामस्वरूप भारत के आज़ाद होने के कुछ समय बाद तक भी फारसी भारत के अधिकांश भागों में अदालतों की भाषा बनी रही। इस बीच 1855 में लॉर्ड मैकाले ने अंग्रेजी को भारत की शिक्षा और प्रशासन की भाषा के रूप में स्थापित कर दिया था। धीरे धीरे वह न केवल पूर्णतय भारतीय प्रशासन की भाषा बन गई, बल्कि शिक्षा, वाणिज्य, व्यापार तथा उद्योग धंधों की भाषा के रूप में भी प्रतिष्ठित हो गई। इनता ही नहीं वह भारत के शिक्षित वर्ग के व्यवहार की भी भाषा बन गई। फिर भी, अंग्रेजी शासक यह महसूस करते रहे कि भारत की भाषाओं को बहुत दिनों तक दबाया नही जा सकता, अतः उन्होंने हिन्दी भाषी प्रदेशों में हिन्दी को और अन्य प्रदेशों में, वहां की भाषाओं को प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम बनाया। इतना ही नहीं स्वतंत्रता संग्राम के साथ साथ हमारे राष्ट्रीय नेताओं ने भारतीय भाषाओं और विशेषकर हिन्दी को राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में प्रचलित करने का प्रयास प्रारंभ किया। इस राष्ट्रीय जागरण के परिणाम स्वरूप हिन्दी का उत्तरोत्तर प्रसार होने लगा और यह मत व्यक्त किया जाने लगा कि देश के अधिकांश लोगों की बोली होने के कारण हिन्दी को भी भारत की राष्ट्रभाषा बनाया जाना चाहिए।

हिन्दी दिवस समारोह

महात्मा गांधी ने एक बार यह विचार व्यक्त किया था कि राष्ट्रभाषा बनने के लिए किसी भाषा में नीचे दिए गए पांच गुण होने आवश्यक होने चाहिए-

1. उसे सरकारी अधिकारी आसानी से सीख सकें।
2. वह समस्त भारत में धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक संपर्क के माध्यम के रूप में प्रयोग के लिए सक्षम हो।
3. वह अधिकांश भारतवासियों द्वारा बोली जाती हो।
4. सारे देश को उसे सीखने में आसानी हो।
5. ऐसी भाषा को चुनते समय क्षणिक हितों पर ध्यान न दिया जाए।

चूंकि भाषा सरकार व जन साधारण के बीच में संवाद प्रेषण का माध्यम बनती है अतएव यह आवश्यक है कि प्रशासकीय कार्य में उपयोग की जाने वाली हिन्दी सरल, सहज तथापि संस्कारयुक्त एवं भाषा के मान्य नियमों के अनुकूल हो। इस दृष्टि से स्वतंत्रता के पश्चात जनसाधारण की दृष्टि से हिन्दी का जो सरल एवं सहिष्णु स्वरूप विकसित हुआ है जो राजभाषा हिन्दी या प्रशासनिक हिन्दी के रूप में परिभाषित हुआ।

राजभाषा के सतत विकास हेतु अनेकों स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है इस संदर्भ में वैश्विक स्तर पर इस बार 11वां विश्व हिंदी सम्मलेन 18 से 20 अगस्त, 2018 को मॉरिशस में आयोजित किया गया।

विश्व हिंदी सम्मेलन की मुख्य विषय वस्तु 'वैश्विक हिंदी और भारतीय संस्कृति' रही। मुख्य विषय के अतिरिक्त 12 अन्य उपविषयों पर आधारित समानांतर सत्र हुए। इस अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनियां और साहित्यकारों की पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस बार देश विदेश के विभिन्न भागों से, जहां हिंदी पढाई जाती है, लगभग 1500 पंजीकृत प्रतिभागियों और हिंदी सेवियों ने सम्मलेन में भाग लिया।

हिन्दी परीक्षा

10 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में विश्व हिंदी सम्मलेन -2018 वेबसाइट का लोकार्पण किया गया|

विश्व हिंदी सम्मेलन के बारे में-

1- पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित किया गया था। इसलिए इस दिन को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

2- पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी 2006 को हर साल विश्व हिन्दी दिवस के रूप मनाए जाने की घोषणा की थी।

3- विदेशों में भारतीय दूतावास विश्व हिंदी दिवस के मौके पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। सभी सरकारी कार्यालयों में विभिन्न विषयों पर हिंदी में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

4- अभी विश्व के अनेकों विश्वविद्‌यालयों में हिंदी पाठ्यक्रम शामिल है। विश्व में करोड़ों लोग हिंदी बोलते हैं। यही नहीं हिंदी दुनिया भर में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली पांच भाषाओं में से एक है।

राजभाषा नियमों के संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा इसके विकास एवं संवर्धन में सदैव प्रतिभागी रहते हुए क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल में भी इस दिवस को मनाने की अत्यंत गौरवशाली परम्परा रही है तथा इसका निर्वहन प्रत्येक वर्ष स्वतःस्फुर्त भावना से हिन्दी पखवाडे के आयोजन के साथ किया जाता रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल राजभाषा नियम 1976 के तहत 'क' क्षेत्र में स्थित है तथा इसके कार्यक्षेत्र में स्थित राज्य (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान) भी 'क' क्षेत्र में ही हैं । अतः यह कार्यालय हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रतिबद्‌ध है। यह कार्यालय राजभाषा नियम 1976 की धारा 10(4) के अंतर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्‌वारा अधिसूचित भी किया जा चुका है। राजभाषा विभाग की प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 में मध्य क्षेत्र में गृह मंत्रालय राजभाषा कार्यालय द्‌वारा उत्कृष्ट कार्य करने हेतु क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल को तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। यह पुरस्कार माननीय राज्यपाल, महाराष्ट सरकार द्‌वारा मुंबई में दिनांक 12.01.2018 को मध्य तथा पश्चिम क्षेत्रों के राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया। इस पुरस्कार में कार्यालय को शील्ड तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर कार्यालय की ओर से शील्ड डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक तथा प्रमाण-पत्र श्री एस.डी. बोकड़े, अनुभाग अधिकारी द्‌वारा प्राप्त किये गये तथा कार्यक्रम में डॉ. अनूप चतुर्वेदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक द्‌वारा भी सहभागिता की गई। इस वर्ग में प्रथम पुरस्कार-इसरो,

हिन्दी दिवससमारोह

भोपाल तथा तृतीय पुरस्कार-क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल को प्रदान किया गया। गत वर्ष भी द्वितीय पुरस्कार वर्ष 2015-16 हेतु क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल को ही प्राप्त हुआ था।

कार्यालय द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समस्त छ:माही बैठकों में अनिवार्य रूप से भाग लिया जाता है तथा राजभाषा के नियम के अनुपालनार्थ क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा भी प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 4 संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता रहा है तथा सभी बैठकों में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि की सहभागिता व मार्गदर्शन हेतु उन्हें आमंत्रित किया जाता है।

राजभाषा पुरस्कार समारोह, मुंबई

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल, राजभाषा नियमों का परिपालन वर्ष भर करता है तथा विभिन्न अवसरों पर इस संदर्भ में प्रचार-प्रसार भी करता है, विगत वर्ष में क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा विभिन्न तकनीकी व सामान्य प्रतिवेदनों को हिन्दी में तैयार ही नहीं किया गया अपितु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://cpcb.nic.in) पर भी अपलोड किया गया है जहाँ से हिन्दी भाषा का वृहद प्रचार-प्रसार हो रहा है । कार्यालय द्वारा हिन्दी में तैयार किए गए प्रमुख प्रतिवेदन निम्नलिखित हैं :-

- विश्व पर्यावरण दिवस 2018 का प्रतिवेदन
- कार्यशाला प्रतिवदेन
- मासिक प्रगति प्रतिवदेन
- राज्य जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन समिति हेतु सुझाव
- अंतर्राज्यीय नदी प्रबोधन - प्रतिवेदन 2018
- मंत्रालय की हिन्दी पत्रिका मे लेख प्रकाशन

इनके अतिरिक्त राजभाषा नियम की धारा 3(3) में उल्लेखित समस्त दस्तावेजों को द्विभाषी जारी किया जाता है तथा कार्यालय का अधिकतम पत्राचार हिन्दी में ही किया जा रहा हैं।

वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी विचारों के आदान-प्रदान व जन-जागरूकता के क्षेत्र में प्रभावी योगदान है। इस दृष्टिकोण से कार्यालय द्वारा 'पर्याभाष' नामक ई-पत्रिका का संपादन १४ सितंबर, २०१२ से प्रारंभ किया गया है तथा अब तक इसके 06 अंक प्रकाशित हो चुके हैं । इस पत्रिका के माध्यम से पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत व चिंतन करने वाले व्यक्तियों के पर्यावरण विषय पर लिखे लेखों का संकलन किया जाता है। 'पर्याभाष' ई-पत्रिका के अंक में मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रीय निदेशालय के अधिकारियों द्वारा प्राप्त तकनीकी लेख हिन्दी में प्रकाशित किये गए थे। यह पत्रिका केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://www.cpcb.nic.in/Paryabhash.pdf) पर भी उपलब्ध है। वर्ष 2018 में हिन्दी दिवस के अवसर पर 'पर्याभाष' ई-पत्रिका का ई-विमोचन क्षेत्रीय निदेशक द्वारा टेबलेट के माध्यम से सभी कार्यालयीन कर्मचारियों की उपस्थिति मे किया। इस पत्रिका का कोई प्रिन्ट नही निकाला गया तथा सभी को यह पत्रिका ई-मेल के माध्यम से ही प्रेषित की गई।

02. हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम 1-14 सितंबर 2018

राजभाषा अधिनियम व नियमों के प्रावधानों के अनुसार क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल में वर्ष भर ही हिन्दी में प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाता है तथा हिन्दी दिवस के अवसर पर समग्र रूप से वर्षभर किए गए कार्यों की समीक्षा की जाती है तथा कालांतर में किस तरह कार्यान्वयन किया जाय इस बाबत मंथन भी किया जाता है। इस वर्ष भी हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत 1 सितंबर से 14 सितंबर 2018 के मध्य अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा इसका समापन सांस्कृतिक संध्या के साथ हिन्दी दिवस के अवसर पर किया गया।

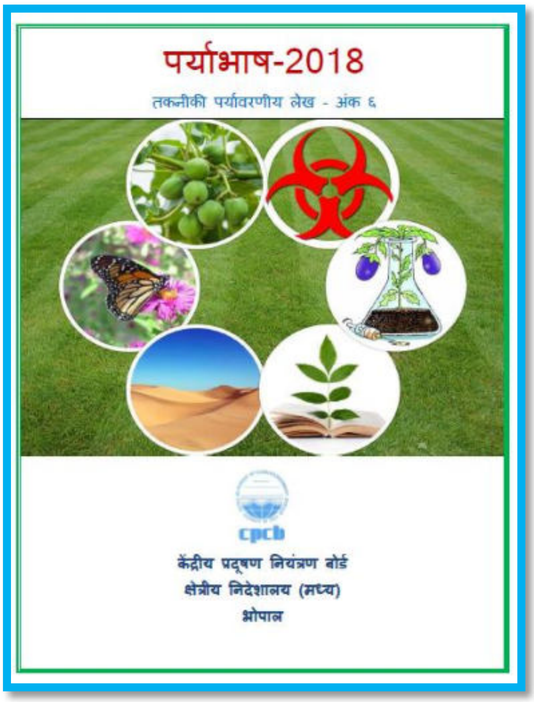

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत डॉ.पी.के. बेहेरा, क्षेत्रीय निदेशक के उदबोधन से हुई उन्होने बताया भारत सरकार के सभी मंत्रालयों विभागो, कार्यालयों, उपक्रमों मे राजभाषा विकास का प्रयास किया जा रहा है तथा इसका शत प्रतिशत अनुपालन हमारे कार्यालय द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। हमारे कार्यालय में

चूंकि अधिकतर कार्य तकनीकी व न्यायालयीन प्रकृति का है इस वजह से कभी-कभी चाहकर भी पूर्णत: हिन्दी का प्रयोग नहीं किया जा पा रहा है।

क्षेत्रीय निदेशक ने यह भी बताया कि राजभाषा नीति, वार्षिक कार्यक्रम आदि द्वारा राजभाषा कार्यान्यवन को विस्तृत और स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है किन्तु इसके बावजूद भी विभिन्न सरकारी कार्यालय स्वयं को राजभाषा कार्यान्यवन के लिए पूरी तरह से सुसज्जित नहीं हो सके हैं । उन्होंने बताया की कुछ गिने-चुने कार्यालय ही हैं जो राजभाषा कार्यान्वयन गति, गरिमा और गहनधर्मिता को निर्मित करने में सफल रहे हैं और हमारा कार्यालय उसमें से एक है यह हमारे लिए गर्व की बात है। क्षेत्रीय निदेशक के संक्षिप्त उदबोधन के पश्चात हिन्दी पखवाड़ा के विभिन्न कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। इस श्रंखला में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

03. यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता (दिनांक 06.09.2018) :-

कार्यालय में हिन्दी के सामान्य पत्राचार व दैनिक कार्यों में हिन्दी टंकण की आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से यूनिकोड सोफ्टवेयर का संस्थापन सभी कम्प्यूटरों में किया गया है तथा इसका प्रयोग अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा निरंतर किया जाने लगा है तथा कई तकनीकी प्रतिवेदन भी यूनिकोड के माध्यम से बनाये गये है । यूनिकोड टंकण के प्रोत्साहन हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि इसमें कार्यालय के उन कर्मचारियों ने भी भाग लिया जो सामान्यत: कम्प्यूटरों का उपयोग नहीं करते हैं जैसे कि प्रयोगशाला सहायक, परिचर आदि। इस प्रतियोगिता में 'भ्रष्टाचार' विषय पर लेख यूनिकोड में टंकण हेतु दिया गया था। प्रतियोगिता में सही व शुद्ध टंकण करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री अनिल कुमार, द्वितीय स्थान श्री प्रहलाद बघेल, तृतीय स्थान श्रीमती फरजाना खान, चतुर्थ स्थान श्री सुनील कुमार मीणा व डॉ अनूप चतुर्वेदी ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन व संचालन श्री एस.डी.बोकड़े द्वारा किया गया।

यूनिकोड प्रतियोगिता

04. 'हिन्दी' लिखित प्रतियोगिता (दिनांक 11.09.2018) :-

क्षेत्रीय निदेशालय में विभिन्न राजभाषा क्षेत्रों के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व है तथा इसमें 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति प्रोत्साहन हेतु विशेष हिन्दी प्रश्नोत्तरी/लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में लिखित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस प्रश्नपत्र में मुख्य रूप से मुहावरों के अर्थ, पर्यायवाची व विलोम शब्दों का प्रयोग, लोकोक्ति व मुहावरे, भाषा व लिपि मिलान तथा राजभाषा संबंधी सामान्य प्रश्न पूछे गये। प्रतियोगिता में कार्यालय के 20 आधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कार्यालय में टिप्पण, राजभाषा के नियमों का ज्ञान तथा 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मियों को प्रोत्साहन प्रदान करना था। प्रतियोगिता में औसत आधार पर 100 अंकों के प्रश्नपत्र में सभी ने औसत 70 अंक प्राप्त किए जो कि कार्यालय द्वारा राजभाषा विकास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों का सुखद परिणाम है। प्रतियोगिता हेतु पाँच दल बनाये गये थे जिसमे तकनीकी, प्रशासन, लेखा व प्रयोगशाला के सदस्यों को सम्मिलित किया गया था।

हिन्दी परीक्षा

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री प्रहलाद बघेल के दल, द्वितीय स्थान श्री सुनील कुमार मीणा के दल, तृतीय स्थान श्रीमती फरजाना खान के दल चतुर्थ स्थान श्री संजय मुकाती के दल व सांत्वना पुरस्कार हेतु श्री अनिल कुमार के दल ने प्राप्त किया सभी सहभागियों ने प्रश्न पत्र उत्साह के साथ हल किया तथा प्रश्न पत्र समाप्ति के बाद आपस में विचारों का आदान-प्रदान किया गया तथा दिये गये प्रश्नों पर अपने मत-मतांतरों से सभी को अवगत करवाया। इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ आर.पी.मिश्रा व डॉ अनूप चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

05. 'राजभाषा क्विज' प्रतियोगिता (दिनांक 12.09.2018) :-

प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्रीय निदेशक की उपस्थिति में किया गया, इस प्रतियोगिता में राजभाषा, पर्यावरण, सामान्य ज्ञान व तकनीकी विषयों से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का संकलन किया गया था, जो कार्यालय के ही दैनिक कार्यकलापों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित थे। प्रतियोगिता हेतु पाँच दल बनाये गये थे

जिसमें तकनीकी व वैज्ञानिक, प्रशासन व लेखा प्रभाग के सदस्यों को सम्मिलित किया गया था। प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यालय के सभी सदस्यों को सहभागी बनाना था जिसमें विशेष रूप से 'ख' व 'ग' क्षेत्र के अधिकारी/कर्मचारी है। इस प्रतियोगिता में बहुविकल्पीय प्रश्न भी पूछे गये। प्रतियोगिता में प्रशासन व लेखा से संबंधित कर्मचारियों ने भी अत्यधिक उत्साह दिखाया जो उनके राजभाषा के प्रति लगाव व तकनीकी विषयों में भी सहभागिता को दर्शाता है।

राजभाषा क्विज कार्यक्रम

इस प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने पाँच दल बनाकर भाग लिया तथा प्रथम स्थान डॉ अनूप चतुर्वेदी के दल (रस मीमांसा), द्वितीय स्थान श्री सुनील कुमार मीणा के दल (झरना), तृतीय स्थान श्री पी.जगन के दल (कामायनी) चतुर्थ स्थान डॉ आर.पी.मिश्रा के दल (भारत भारती) व सांतवना पुरस्कार श्रीमती फरजाना खान के दल (नमक का दरोगा) ने प्राप्त किया । इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. वाय.के. सक्सेना द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णय क्षेत्रीय निदेशक व श्री एस.डी.बोकड़े हिन्दी अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

06. "ओजोन संरक्षण" विषय पर हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता (दिनांक 14.09.2018):-

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में हिन्दी संभाषण का आयोजन किया गया था इसमे 'ओजोन डिप्लिटिंग सब्सटेन्स(रेग्युलेशन एंड कंट्रोल) नियम 2000' तथा 'ओजोन परत और हम' विषय पर प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए तथा ओजोन के बढ़ते स्तर से मानव जीवन मे किस तरह की विसंगतियाँ आ रही है व इन्हे किस तरह से न्यूनतम किया जा सकता है, इस विषय पर अपने अनुभवों के आधार पर अभिव्यक्ति की गई। चूंकि 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है इसी परिपेक्ष्य में ओजोन से संबंधित व परिचर्चा का भी आयोजन किया गया जिसमे ओजोन की परत को हो रहे नुकसान से किस तरह मानव जीवन को ख़तरा बढ़ रहा है तथा किस तरह इसको न्यूनतम किया जा सकता है तथा कार्यालयीन गतिविधियों के माध्यम से किन-किन सुरक्षात्मक कदमों से व्यापक जनहित में कदम उठाये जा सकते है इस संदर्भ में भी विस्तृत चर्चा की गई।

इस संभाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्री सुनील कुमार मीणा, द्वितीय डॉ.अनूप चतुर्वेदी, तृतीय श्री पी. जगन तथा सांतवना पुरस्कार श्री राजीव शर्मा व जगजीवन को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता मे श्री संजय मुकाती, श्री अनिल कुमार, श्री जगजीवन व श्री प्रहलाद बघेल द्वारा भी सहभागिता की। अंत मे श्री पी.जगन वैज्ञानिक 'घ' ने पूरे संभाषण को सरगर्भित किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन श्री सुनील कुमार मीणा वैज्ञानिक 'ग' द्वारा किया गया।

राजभाषा समारोह

कार्यक्रम के अगले क्रम में ओजोन संरक्षण संबंधी क्विज का भी आयोजन किया जिसमे ओजोन क्षय, संरक्षण, प्रोटोकॉल, नियम व इसके अंतरराष्ट्रीय नियमों आदि से संबंधित प्रश्न पूछे गये। इस प्रतियोगिता मे कुल 09 प्रतिभागियों ने सहभागिता की तथा विजताओं को क्षेत्रीय निदेशक द्वारा तत्काल पुरस्कार प्रदान किये गये। डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा ओज़ोन के सही उपयोग, वियाना समझौते, पोल्युटर टु पे संकल्पना तथा घरेलू प्रदूषण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

07. 'हिन्दी टिप्पण व आलेखन' प्रतियोगिता:-

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त गत वर्ष में सर्वाधिक हिन्दी टिप्पण व आलेखन करने वाले कर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इसमें प्रथम विजेता श्रीमती फ़रजाना खान, द्वितीय श्री राजीव शर्मा तृतीय विजेता श्री अनिल कुमार व सांतवना पुरस्कार श्री एस.डी.बोकड़े व श्री शिव शंकर शुक्ला को संयुक्त रूप प्राप्त हुआ।

08. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक व पर्याभाष पत्रिका का विमोचन (14.09.2018):-

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रात: 11.00 बजे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन भी किया गया, बैठक की अध्यक्षता डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा की गई। बैठक का संचालन हिन्दी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी ने विगत वर्षो में कार्यालय द्वारा राजभाषा के किन-किन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है व राजभाषा सम्बन्धी

उपलब्धियों से अध्यक्ष व सभी सहयोगियों को अवगत कराया तथा राजभाषा हिन्दी में स्वयं काम करने तथा दूसरों को भी प्रोत्साहित करने हेतु संकल्पित रहने की अपील की तथा यह जानकारी प्रदान की गई कि कार्यालय द्वारा लगभग 98% कार्य हिन्दी में किया जा रहा है, तथा इस उच्चतम स्तर को बनाए रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होने हिन्दी पत्राचार को और अधिक बड़ाने तथा आगमी दिनों में पुनः हिन्दी पुरस्कार प्राप्त करने हेतु सभी को सामुदायिक प्रयास की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। बैठक के अंत में क्षेत्रीय निदेशक ने चर्चा के विभिन्न बिंदुओं को सारगर्भित करते हुए राजभाषा कार्यों के अनिवार्य क्रियान्वयन पर बल दिया।

बैठक के दौरान क्षेत्रीय निदेशक द्वारा कार्यालय की तकनीकी पत्रिका पर्याभाष-2018 का विमोचन भी किया जिसमे अन्य क्षेत्रीय निदेशालय के अधिकारियों द्वारा प्रेषित लेख संकलित किए गए है।

09. सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह (14.09.2018) :-

क्षेत्रीय निदेशालय,भोपाल द्वारा वर्ष 2018 के हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित किए गये कार्यक्रमों का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेतु श्री हरीश सिंह चौहान जी, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, भोपाल को आमंत्रित किया गया था परंतु हिन्दी दिवस के अन्य कार्यक्रम मे व्यस्तता के कारण वे उपस्थित नही हो सके यद्यपि कार्यालय द्वारा हिन्दी मे किए जा रहे अप्रत्याशित कार्य को उनके द्वारा सराहा गया व शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा की गई जिनकी अनुमति पश्चात श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी द्वारा संक्षिप्त उद्बोधन में हिन्दी दिवस की महत्ता व इस कार्यालय द्वारा किए गए विशेष कार्यों पर प्रकाश डाला।

हिन्दी दिवस समारोह शुभारंभ

कार्यक्रम के विधिवत शुभारंभ में सर्वप्रथम माननीय श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री का हिन्दी दिवस 2018 के अवसर पर जारी संदेश को श्रीमती फरजाना खान ने सभी उपस्थितों को पढ़कर सुनाया।

क्षेत्रीय निदेशक द्वारा अपने संक्षिप्त उद्बोधन में शासकीय कार्यालयों में राजभाषा विकास की वर्तमान आवश्यकता पर ज़ोर दिया तथा भोपाल कार्यालय को इस क्षेत्र मे सदैव अग्रणी रहने का प्रयास करने हेतु निर्देश प्रदान किए। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक संध्या में सर्वप्रथम डॉ. पौलमी सी. पाटिल द्वारा 'पल-पल दिल के पास' गीत की प्रस्तुति दी इसके बाद श्री अनिल कुमार द्वारा पंजाबी गाना प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर श्री संजय मुकाती द्वारा 'प्यार दीवाना होता है' एवं श्री सुरेश चौहान द्वारा 'ऐ मेरे दिल कहीं और चल' गीत की प्रस्तुति दी।

श्री राजीव शर्मा ने 'हिन्दी, हिंदु व हिंदुस्तान' विषय पर कविता प्रस्तुत की। कविताओं के दौर को हास्य की तरफ मोड़ते हूए डॉ. अनूप चतुर्वेदी द्वारा 'जीवन एक क्रिकेट है ' विषय पर हास्य कविता सुनाई। जिसका सभी श्रोतागणों ने आनंद उठाया।

अंत मे क्षेत्रीय निदेशक द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में राजभाषा विकास हेतु किए उत्कृष्ट प्रयासों की प्रशंसा की तथा राजभाषा कार्यान्वयन की गतिशीलता को स्वागत योग्य बताया।

गृह मंत्री का हिन्दी दिवस संदेश पठन

कार्यक्रम के अगले चरण में हिन्दी पखवाड़े में पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा प्रदान किए गये। कार्यालय में राजभाषा के सतत विकास, तकनीकी प्रतिवेदन हिन्दी में बनाने व कार्यालय की विविध गतिविधियों के प्रतिवेदन भी हिन्दी में तैयार करने में सक्रिय योगदान तथा महत्वपूर्ण कार्य हेतु क्षेत्रीय निदेशक द्वारा नामित श्री एस.डी.बोकड़े व डॉ. अनूप चतुर्वेदी ने विशिष्ट राजभाषाकर्मी पुरस्कार प्राप्त किया।

इस वर्ष उत्तम कर्मी हेतु श्री प्रहलाद बघेल को क्षेत्रीय निदेशक द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन सुश्री अल्फा मोनिका लाकड़ा द्वारा बहुत ही रुचिकर ढंग से किया गया जिससे कार्यक्रम की गरिमा और अधिक हो गई।

कार्यक्रम के अंत में राजभाषा कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों के प्रति श्री एस.डी. बोकड़े द्वारा आभार व्यक्त किया एवं सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को इस आयोजन को सफल बनाने हेतु धन्यवाद दिया व मुख्य अतिथि द्वारा उनकी उपस्थिति से समारोह की गरिमा बढ़ाने पर आभार व्यक्त किया गया तथा राजभाषा कार्यो की निरंतरता बनाये रखने के अनुरोध के साथ कार्यक्रम को विराम देने की घोषणा की गई।

(डॉ.अनूप चतुर्वेदी)	(एस.डी.बोकड़े)	(डॉ.पी.के.बेहेरा)
वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	हिन्दी अधिकारी	क्षेत्रीय निदेशक

कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
ण नियंत्रण बोर्ड
य (मध्य), भोपाल
समारोह

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
cpcb
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य)
सहकार भवन, चतुर्थ तल, नॉर्थ टी.टी. नगर, भोपाल- 462 003

हिन्दी दिवस समारोह

(14 सितम्बर, 2018)

11:00 बजे राजभाषा समिति की द्वितीय तिमाही की कार्यशाला

3:00 बजे दीप प्रज्वलन

3:05 बजे गृह मंत्री का हिन्दी दिवस के अवसर पर जारी संबोधन का पठन

3:15 बजे हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता 'ओजोन डिप्लिटिंग सब्सटेन्स (रेग्युलेशन एंड कंट्रोल) नियम 2000' तथा 'ओजोन परत और हम'

4:00 बजे ओजोन क्विज

पुरस्कार वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम

4:40 बजे हिन्दी अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत
एवं
मुख्य अतिथि का संबोधन

5.15 बजे विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण
एवं
सांस्कृतिक कार्यक्रम (गीत, कविता आदि)

6:00 बजे धन्यवाद एवं आभार

कार्यालय में 2018 में आयोजित प्रतियोगिताओं का परिणाम

क्रमांक	नाम	परिणाम
01	**यूनीकोड प्रतियोगिता (06.09.2018)**	
	श्री अनिल कुमार	प्रथम
	श्री प्रहलाद बघेल	द्वितीय
	श्रीमती फरजाना खान	तृतीय
	श्री सुनील कुमार मीणा	चतुर्थ
	डॉ. अनूप चतुर्वेदी	सात्वंना
02	**लिखित प्रतियोगिता (11.09.2018)**	
	श्री प्रहलाद बघेल डॉ. योगेंद्र कुमार सक्सेना श्री जगजीवन सुश्री अल्फा मोनिका	प्रथम
	श्री सुनील कुमार मीणा श्री पी.जगन श्रीमती रश्मि ठाकुर श्री सलामुद्दीन	द्वितीय
	श्रीमती फरजाना खान श्री प्रवीण कुमार जैन श्री रामेश्वर बंदेवार श्री संदीप बघेल	तृतीय
	श्री संजय कुमार मुकती श्री राजीव शर्मा श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया श्री सुरेश चौधरी	चतुर्थ
	श्री अनिल कुमार डॉ. पौलमी सी. पाटिल श्री शिव शंकर शुक्ल श्री सुरेश चौहान	सात्वंना
03	**प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (12.09.2018)**	
	डॉ. अनूप चतुर्वेदी	प्रथम

	डॉ. पौलमी सी. पाटिल सुश्री अल्फा मोनिका श्री प्रहलाद बघेल	
	श्री सुनील कुमार मीणा श्री राजीव शर्मा श्री शिव शंकर शुक्ल श्री सुरेश कुमार चौहान	द्वितीय
	श्री पी.जगन श्री अनिल कुमार श्रीमती रश्मि ठाकुर श्री रामेश्वर बंदेवार	तृतीय
	डॉ. रवि प्रकाश मिश्रा श्री संजय कुमार मुकती श्री सलामुद्दीन श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया	संयुक्त चर्तुर्थ
	श्री प्रवीण कुमार जैन श्रीमती फरजाना खान श्री जगजीवन श्री संदीप बघेल	
04	**संभाषण प्रतियोगिता (14.09.2018)**	
	श्री सुनील कुमार मीणा	प्रथम
	डॉ अनूप चतुर्वेदी	द्वितीय
	श्री पी.जगन	तृतीय
	श्री राजीव शर्मा	चर्तुर्थ
	श्री जगजीवन	सात्वंना
05	**हिन्दी टिप्पण, आलेखन प्रतियोगिता**	
	श्रीमती फरज़ाना खान	प्रथम
	श्री राजीव शर्मा	द्वितीय
	श्री एस.डी. बोकड़े / श्री शिव शंकर शुक्ला	संयुक्त तृतीय
06	श्री एस.डी. बोकड़े / अनूप चतुर्वेदी	विशिष्ट राजभाषा कर्मी
07	श्री प्रहलाद बघेल	उत्तम कर्मी

हिन्दी हैं हम